GRAIN ETHANOL MANUFACTURERS ASSOCIATION
Mob: +91 9910613300, +91 8287928065
Email: info@gemabharat.org
www.gemabharat.org

GEMA/2025-26/730 **दिनांक: 24.11.2025**

सेवा में,
माननीय श्री अमित शाह जी
गृह मंत्री, भारत सरकार
नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली

विषय: भारत के बायोफ्यूल नेतृत्व के लिए आभार तथा एथेनॉल क्षेत्र की दीर्घकालिक स्थिरता हेतु नीतिगत सहयोग का विनम्र अनुरोध।

माननीय गृह मंत्री जी,

ग्रेन एथेनॉल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (GEMA) की ओर से, हम आपका हृदय से धन्यवाद करते हैं कि आपकी सरकार के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने स्वच्छ ऊर्जा और बायोफ्यूल के क्षेत्र में विश्व स्तर पर पहचान बनाई है। एथेनॉल ब्लेंडिंग, ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस और मेक इन इंडिया जैसे कदमों ने एथेनॉल उद्योग को नई दिशा दी है, ग्रामीण रोजगार बढ़ाया है और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत किया है।

केंद्र सरकार की नीतियों के परिणामस्वरूप भारत ने पहली बार इतनी एथेनॉल उत्पादन क्षमता बनाई है कि वह घरेलू आवश्यकता से भी अधिक है। यह आपकी सरकार की दूरदर्शी सोच का प्रमाण है।

किन्तु वर्तमान एथेनॉल सप्लाई वर्ष (ESY) में आवंटन में आई कमी के कारण उद्योग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे किसानों व ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

हम इस संबंध में कुछ महत्वपूर्ण बिंदु एवं विनम्र अनुरोध आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं:

1. **कुछ राज्यों में एथेनॉल आवंटन में कमी** — बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड जैसे प्रमुख मक्का उत्पादक राज्यों को पिछले वर्ष की तुलना में कम आवंटन मिला है। बिहार और मध्य प्रदेश देश के अग्रणी मक्का उत्पादक राज्य हैं, इसलिए इस कमी का मक्का खपत, उद्योग, किसानों, परिवहन एवं ग्रामीण सेवाओं पर सीधा और गंभीर प्रभाव पड़ा है।
2. **राष्ट्रीय क्षमता का उपयोग कम होना** — देश में 1,300 करोड़ लीटर से अधिक ग्रेन-आधारित एथेनॉल क्षमता है, परंतु वर्तमान टेंडर में केवल लगभग 750 करोड़ लीटर का ही आवंटन हुआ है, जिससे 40–45% क्षमता उपयोग में नहीं है।
3. **किसानों की आय व इकाइयों की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव** — कई नए संयंत्र वित्तीय दबाव में हैं, बैंक ऋण चुकाने और किसानों से मक्का खरीद जारी रखने में कठिनाई हो रही है।

GRAIN ETHANOL MANUFACTURERS ASSOCIATION
Mob: +91 9910613300, +91 8287928065
Email: info@gemabharat.org
www.gemabharat.org

हमारे विनम्र अनुरोध:

- आगे आने वाले टेंडरों में जिन राज्यों को कम आवंटन मिला है, उन्हें व्यवहारिक (viable) स्थिति पर लाने के लिए प्राथमिकता दी जाए।
- सभी चालू इकाइयों को उनकी व्यवहारिकता (viability) के अनुसार आवंटन प्रदान किया जाना चाहिए।
- राष्ट्रीय एथेनॉल ब्लेंडिंग स्तर को तत्काल 20% से बढ़ाकर 25–26% किया जाए।
- फ्लेक्स-फ्यूल हाइब्रिड (FFV) वाहनों को तेजी से बढ़ावा दिया जाए।

माननीय मंत्री जी,
हम पूरी निष्ठा से सरकार की स्वच्छ ऊर्जा व आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि के साथ जुड़े हैं। आपके मार्गदर्शन से यह उद्योग किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, और देश की ऊर्जा सुरक्षा में और अधिक योगदान दे सकेगा।

कृपया इस महत्वपूर्ण विषय पर अपना संरक्षण और दिशा-निर्देश प्रदान करने की कृपा करें।

सधन्यवाद,

डॉ. सी. के. जैन, अध्यक्ष